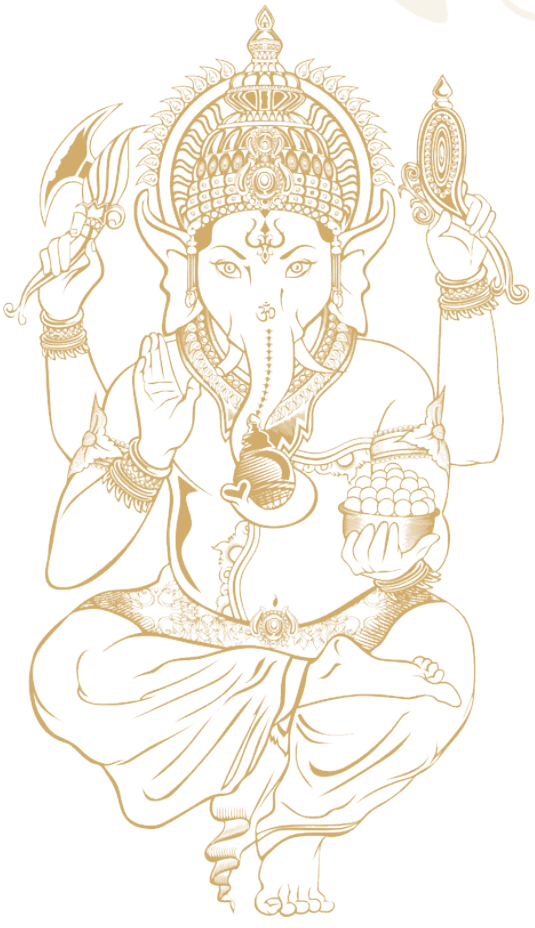

Prateek Pragya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120954714

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
6-07/03/1993 :	जन्म तिथि	: 24/07/1994
शनि-रविवार :	दिन	: रविवार
घंटे 00:40:00 :	जन्म समय	: 21:05:00 घंटे
घटी 44:56:29 :	जन्म समय(घटी)	: 38:37:58 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:41:24 :	सूर्योदय	: 05:37:48
18:24:30 :	सूर्यास्त	: 19:17:00
23:46:00 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 0वर्ष 8मा 12दि	14:39:12	वृश्चि	लग्न	कुंभ	12:27:24	मंगल 3वर्ष 2मा 22दि
सूर्य	22:27:42	कुंभ	सूर्य	कर्क	07:43:20	गुरु
17/11/2020	29:27:02	कर्क	चंद्र	कुंभ	00:31:04	16/10/2015
18/11/2026	17:03:40	मिथु	मंगल	वृष	20:40:53	16/10/2031
सूर्य 07/03/2021	27:04:33	कुंभ व	बुध	मिथु	19:09:40	गुरु 03/12/2017
चन्द्र 05/09/2021	18:53:11	कन्या व	गुरु	तुला	11:43:53	शनि 15/06/2020
मंगल 11/01/2022	25:50:17	मीन	शुक्र	सिंह	21:09:51	बुध 21/09/2022
राहु 06/12/2022	00:08:40	कुंभ	शनि व	कुंभ	17:49:35	केतु 28/08/2023
गुरु 24/09/2023	23:13:29	वृश्चि व	राहु व	तुला	27:17:44	शुक्र 28/04/2026
शनि 05/09/2024	23:13:29	वृष व	केतु व	मेष	27:17:44	सूर्य 14/02/2027
बुध 13/07/2025	27:22:26	धनु	हर्ष व	मक	00:16:43	चन्द्र 15/06/2028
केतु 17/11/2025	26:47:12	धनु	नेप व	धनु	27:54:34	मंगल 22/05/2029
शुक्र 18/11/2026	01:44:12	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	01:31:59	राहु 16/10/2031

लग्न-चलित

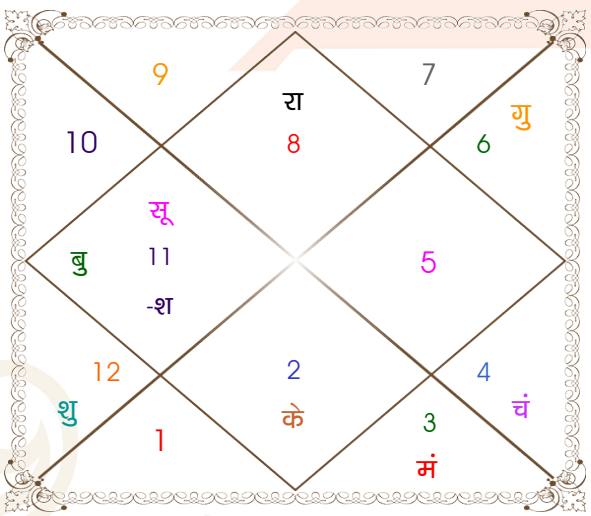

लग्न-चलित

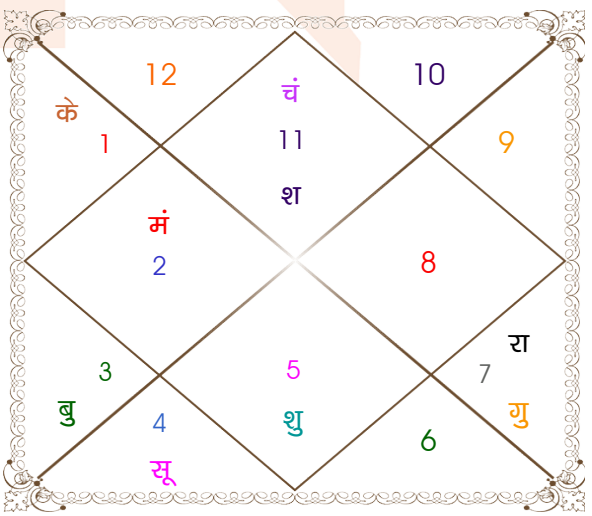

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Prateek का वर्ग श्वान है तथा Pragya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Prateek और Pragya का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Prateek मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Pragya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Prateek कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Prateek तथा Pragya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।